मंगलुरु के समुद्र तटों पर ऑलिव रिडले कछुए

स्रोत: डाउन टू अर्थ

बढ़ी हुई लवणता और प्रदूषण जैसी **पर्यावरणीय चुनौतियों** पर नियंत्रण के परिणामस्वरूप लगभग 40 वर्षों के बाद फरवरी 2024 में कर्नाटक के मंगलुरु मंडल के समुद्र तटों पर **ऑलिव रिडले कछुए** (**लेपिडोचेलिस ओलिवेसिया**) अपने आवास स्थलों में लौट आए हैं।

- आमतौर पर प्रति साइट लगभग 150 अंडे देने वाले ओलिव रिडले कछुए **ससिहित्लू और तन्नेरबावी** समुद्र तटों पर घोसले स्वरुप अपने आवास स्थलों में आवासित है।
- **जैतून रंग के बाह्य आवरण** के कारण इन्हें **ऑलिव रिडले कछुआ** कहा जाता है, ये विश्व के सबसे छोटे और सबसे अधिक आबादी वाले समुद्री कछुए हैं।
  - इन्हें **'अरिबाडा'** नामक सामूहिक घोंसले बनाने की प्रथा के लिये जाना जाता है।
  - **संरक्षण स्थिति:**
    - **IUCN**- **सुभेद्य**
    - **वन्यजीव अधिनियम 1972**- अनुसूची 1
- ये **जेलीफिश** का भक्षण कर जेलीफिश की आबादी को नियंत्रित करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

//

और पढ़ें... ओलवि रडिले कछुआ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/olive-ridley-turtles-on-mangaluru-beaches